पिछले सीजन से इस साल कमजोर रहा शुगर प्रॉडक्शन

[ईटी ब्यूरो | नई दिल्ली]

शुगर सीजन अक्टूबर 2013-सितंबर 2014 के लिए गन्ने की पेराई खत्म होने को है और देश में चीनी मिलों ने अभी तक 239 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है।

पिछले साल की समान अवधि में चीनी मिलों ने 247 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया था। यह बात इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने अपने प्रॉडक्शन अपडेट्स में कही है। सबसे ज्यादा 77 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन महाराष्ट्र की शुगर मिलों ने किया है। वहीं, उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों ने 64.5 लाख टन और कर्नाटक में मिलों ने 41 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन किया है। पिछले शुगर सीजन (15 मई तक) के मुकाबले इस साल महाराष्ट्र में लगभग समान मात्रा में ही शुगर का प्रॉडक्शन हुआ है।

239 लाख टन प्रॉडक्शन

देश में चीनी मिलों ने अभी तक 239 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया है। पिछले साल 247 लाख टन चीनी का प्रॉडक्शन किया था

वहीं, उत्तर प्रदेश में पिछले साल के मुकाबले 10 लाख और कर्नाटक में 7 लाख टन से ज्यादा मात्रा में चीनी का कम प्रॉडक्शन हुआ है। इस्मा ने कहा है कि 30 सितंबर 2014 को खत्म होने वाले इस सीजन के लिए क्लोजिंग बैलेंस करीब 74-75 लाख टन रहने की उम्मीद है।

इस्मा की शुगर प्रॉडक्शन रिलीज में कहा गया है, 'देश में अगले सीजन की शुरुआत पिछले साल के मुकाबले 18-20 लाख टन कम चीनी से होगी। लेकिन करीब 15-20 लाख टन का सरप्लस होगा, जिसे मौका होने पर एक्सपोर्ट किया जा सकता है।' इस्मा के मुताबिक, शुगर एक्सपोर्ट की फ्रीक्वेंसी काफी कम है, ऐसे में पूरे सीजन में करीब 19-20 लाख टन चीनी का देश से एक्सपोर्ट होगा। पिछले साल देश से होने वाला शुगर का कुल एक्सपोर्ट करीब 80 लाख टन था।

इस्मा ने कहा है, 'फूड मिनिस्ट्री द्वारा एक्सपोर्ट इनसेंटिव को 3,300 रुपये से घटाकर 2,277 रुपये प्रति टन किए जाने के कारण शुगर एक्सपोर्ट की रफ्तार सुस्त हुई है। शुगर इंडस्ट्री और एक्सपोर्टर्स का मानना है कि एक्सपोर्ट इनसेंटिव 28 फरवरी 2014 के गजट नोटिफिकेशन के मुताबिक नहीं है।'

Economic Times

23/5/14